

हम जान चुके हैं, वाक्य में प्रयुक्त शब्दों को पद कहते हैं। उन शब्दों का व्याकरणिक परिचय पद-परिचय कहलाता है।

पद-परिचय बताने के लिए पद के भेद, उपभेद, लिंग, वचन, कारक आदि का परिचय देना भी आवश्यक है।

पद-परिचय के लिए आवश्यक संकेत

संज्ञा	संज्ञा के भेद, लिंग, वचन, कारक, क्रिया के साथ संबंध।
सर्वनाम	सर्वनाम के भेद, पुरुष, लिंग, वचन, क्रिया के साथ संबंध।
विशेषण	विशेषण के भेद, लिंग, वचन, विशेष्य।
क्रिया	क्रिया के भेद, लिंग, वचन, पुरुष, धातु, काल, वाच्य, कर्ता और कर्म का संकेत।
अव्यय	क्रियाविशेषण-भेद, जिस क्रिया की विशेषता बताई गई हो उसके बारे में निर्देश। समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्मयादिबोधक-भेद तथा उनका संबंध, निर्देश आदि।

उदाहरण

(क) हम अपने देश पर मर मिटेंगे।

हम	सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
अपने	सर्वनाम, निजवाचक, पुल्लिंग एकवचन, संबंधकारक, 'देश' से संबंध
देश पर	संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।
मर मिटेंगे	अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग बहुवचन, भविष्यत् काल, उत्तम पुरुष, अपूर्ण पक्ष, कर्तृवाच्य हम कर्ता की क्रिया।

(ख) रमेश वहां दसवीं कक्षा में बैठा है।

रमेश	संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'बैठा है' क्रिया का कर्ता।
वहाँ	स्थानवाचक क्रियाविशेषण 'बैठा है' क्रिया का स्थान निर्देश।

दवर्सी	विशेषण, संख्यावाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा विशेष्य का विशेषण।
कक्षा में	संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक। बैठा क्रिया से संबद्ध।
बैठा है	अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, अन्य पुरुष, पूर्णपक्ष, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता रमेश।

(ग) भागकर जाओ और बाज़ार से कुछ तो लाओ।

भागकर पूर्वकालिक क्रिया, रीतिवाचक क्रियाविशेषण।

बाज़ार से संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अपादान कारक।

कुछ अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक।

तो निपात।

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित वाक्यों में मोटे छपे शब्दों का पद-परिचय दीजिए।

(क) भूषण वीर रस के कवि थे।

(ख) वह कल आएगा।

(ग) मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।

(घ) वह अचानक दिखाई पड़ा।

(ङ) यह पुस्तक किसकी है ?

